नमी दानं के मन क़िस्त.....

मै अपनी ९ महीने की यात्रा का जिक्र निम्न अंशो में पेश करता हूँ जिसमे मैंने खुद को एक राही (रास्ते पर चलने वाला) तथा फ़ेलोशिप के अनुभव को,राह मानते हुये ,दोनों के बीच हुई बातचीत के माध्यम से प्रस्तुत करने की कोशिस की हैं |

राह : तुम यहाँ क्या कर रहे हो ?

राही : मेरी जिंदगी के कामों को मै दो भागों में विभक्त कर सकता हूँ | पहला मेरे ज्ञान और अनुभव को काम मे लेते हुए सामजिक बदलाव के लिए काम करना दूसरा, अन्तरपरिवर्तन की यात्रा को महसूस करना, समझना और उसकी तेज़ गति से मंजिल तक पहुचना

राह : खुद के अंदर के बदलावों को कैसे देखते हो ?

राही : इस बात पर ध्यान देना की मै दूसरों की कितनी निंदा करता हूँ, अपनी निंदा करता हूँ की नहीं | मै मेरी बातों मै जानबूझकर या अनजाने में हिंसा का प्रयोग करता हूँ की नहीं | मेरी अन्दर की घृणा को कितना जानता हूँ| दूसरों के प्रति नफरत से कितना वाफिक हूँ |

राह : क्या तुम किसी चीज़ को अधिकार स्वरुप देखते हो जैसे की तुम मानते होगे की ये सब ठीक है |

राही : हमारे चारों तरफ बहुत सारी चीजें उपहार स्वरुप बिखरी मिलती हैं, हो सकता है की बच्चों का हम पर विश्वास या फिर मेरा ये नजरिया या मेरी ये समझ की बच्चों की सोच | या फिर हमारे कौशल जिस पर हमें गर्व हो | मै तुम्हारें साथ चल कर ये देखना चाहता हूँ की ऐसा क्यों है अगर ये होता है तो क्यो होता है |

हम इंसान प्राकृतिक रूप से आगे देखने वाले होते है जो की हमें हमारे वर्तमान के लिए अंधा बना सकता है इसलिए मै चाहता हूँ तुम्हारे साथ चल कर यह सीखना है की हमें लोगों को और परिस्थितियों को तथा सबसे जरुरी खुद का शुक्रगुज़ार कैसे रहना चाहिए |

राह : क्या तुम एक सकरात्मक नजरीये के साथ जीते हो ?

राही : सवाल का जवाब मुश्किल है परन्तु मेरा यह मानना है की सकरात्मक नजरिया तब पैदा होता है जब आप यह सोचते है कि हमारी जिन्दगी बस अगले ६ महीने तक की है | सकरात्मक नजरिया के लिए जरुरी है की आप आशावादी सोच के साथ आगे बढे | अपनी सफलता के बिंदु खुद तय करे |

राह : क्या तुम सोने से पहले अपने नकारात्मक विचारों पर सोचते हो ?

राही : रात के अँधेरे मे एक रहश्यमय ख़ामोशी हमें चेतना और अचेतन मन से पुरे दिन का अवलोकन के लिए एकाग्र मन से सोचने को विवश करता है | यह चीजों को छुपाता है तो उन पर प्रकाश भी डालता है | यह वो चीज है जो हमें विवश करता है उन चीजों के बारे में सोचने को जिसके बारे में हम दिन मे नहीं सोच पाते हैं | जो की विभिन्न विचारो के बारे में सही गलत और उन पर सचाई और हकीकत की तरफ ले कर जाता हैं |

राह : क्या तुम तुम्हारे शारीरिक स्वास्थ्य का ध्यान रखते हो ?

राही : दिन भर की थकान के बाद खुद को १ घंटे के लिए खुली हवा और शाम की ठंडाई में स्वछंद विचरण करते हुए खुद को आजद करने जैसा अनुभव हैं | यह खुद को एकाग्रता के साथ लक्ष्य के प्रति समर्पित करने के लिए भाव जागृत करता हैं |

राह : क्या तुमको लगता है कि तुम ऐसी चीजों को तुम्हारी जिंदगी में आने देते हो जिसने तुम्हारी जिज्ञासाओ और मुश्किलों को हल करने मे मदद या मुश्किल पैदा की हों ?

हाँ, पर शायद नहीं क्योंकि हमारी जिंदगी की बहुत सारी ऐसी चीजें है जो हमारे दैनिक जीवन से जुड़ी है और हमारे भविष्य के काम पर असर डालती हैं | चाहें वो हमारे भूत का अनुभव हो या भविष्य का लेकर सपना | ये सारी चुनोतियों से पार पाना बड़ा मुश्किल हैं | तुम्हारे साथ चलने के दौरान सीखा गया हर पड़ाव चाहे वो बूटकैंप हो या डिब्रिफ का सबक ,मुझे जिंदगी की नई उचाईंयो की तरफ अग्रषित कर रहा है |

राह : क्या तुम खुद के लिए तय किये गए सफलता के पैमानों को हासिल कर पाए हो ?

राही : सफलता और असफलता दोनों सफ़र का हिस्सा है | कभी मन हार जायेगा तो कभी स्कूल मे बच्चे नहीं आते हैं | जो लोग मंजिल के लिए निकले नहीं है वो मंजिल के बारे में जानते नहीं हैं खुद की मानसिकता को लक्ष्य के प्रति चेतन मन से लगाना, आपके पैमाने का दस्तूर तय करता हैं |

INPUT	OUTPUT
INTRODUCTION OF PEER LEARNING IN 5 SCHOOL,144 Hrs time investment,120 children Mode: Dialogue & different activity	Acceptance of idea by Teacher and Student 3 Teacher and 120 Teacher aliened with idea
LANGUAGE LAB IN 1 SCHOOL Duration: 9 Week, 36 children from class 4- 7 Mode: Dialogue & different activity(Audio &video)	No. of Beneficiary: HM & 6 Teachers alignment with Idea and 36 children Future plan: replication of this model in 2 more schools
Data based CRT(class room intervention) 3 school, 93 children, 3 Teachers ,28 hrs	50% SLO in 3 school
Separate classes for non readers in 3 schools Duration: 16 week , 87 Children	No. of Beneficiary: 3 HM & 10 Teachers alignment with Idea and 87children
Helped 7 children for appliying Swami Vivekanda model School Duration: 25 hours Prepration for Navodiya Vidhyalya 5 children, 1 month (180 hours)	2 Children selected for Admission, for Navodya result yet to come
MASHAL : to establish library culture in Chawand and surrounding area and creating reading habit among	**54 children, 22 youngster Future plan: to impact more than 1000 children and 500**

ल्टर करने के बाद ही सप्लाई दी
एगी। प्रतिनिधि मण्डल में मण्डल
ध्यक्ष हीरालाल पण्ड्या, उपाध्यक्ष
रेश कण्ठालिया, किसान मोर्चा अध्यक्ष
गदीश सोनी, मीठालाल गोदडोत,
लाधर सोनी आदि मौजूद थे।

त्र छात्राऐँ।

ने किया
त्र का जाप

में भगवान ऋषभदेव का जन्मकल्याणक
के पर सुकुमाल बाल मण्डल और
त भक्ति गीत की प्रस्तुतियाँ दी। इस
किया गया। अध्यक्षता संस्थाप्रधान
गवानलाल जाट, दलीचन्द्र जाट,
भगवान आदिनाथ की आरती और
सा ने किया।

आयोजित

भा प्रभारी।

र को सलूम्बर सर्किट हाउस में
ुख्य अतिथि जिला उपाध्यक्ष व
इस अवसर पर खटीक ने 14
कर की 126वीं जयंती मनाने,
धानसभा चुनाव की तैयारी करने
अवसर पर शिवशंकर डामोर,
, भवानी शंकर नागदा, विमल
सुरेशकुमार मीणा, सुरेश मीणा,
थे।

मशाल के माध्यम से बच्च्वों में जगा रहे हैं शिक्षा की अलख

सराड़ा व सेमारी ब्लॉक में शैक्षिक सुधार की नई पहल

सराड़ा। बच्चो को पढ़ाई करवाते फैलो।

सराड़ा। सरकारी स्कूलों में शैक्षिक गुणवत्ता के सुधार हेतु कार्यरत पिरामल शिक्षान्यास ने सभी आयु वर्ग के लोगों को पुस्तकों से जोड़ कर शैक्षिक गुणवत्ता की नई पहल शुरू की है, जिसके अन्तर्गत संस्थान के फैलो महेंद्र सिंह झुंझुनूं व आदित्य जैन उत्तर प्रदेश ने चावंड कस्बे में सभी आयु वर्ग के लोगों को पुस्तकों की तरफ मोड़ने की मशाल नाम से एक मुहिम शुरू की है। पिछले तीन महीनों से चल रही इस मुहिम में अब तक 54 बच्चों व दर्जनों युवाओं का रुझान किताबों की तरफ मोड़ने में सफल हुए है। चावंड कस्बे के विभिन्न स्थानों पर सभी आयु वर्गों के लिए पुस्तकों का संग्रह किया गया है एवं प्रत्येक रविवार को कई गतिविधियों द्वारा बच्चों एवं युवाओं को अलग-अलग प्रकार की पुस्तकें पढ़ने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। महेंद्र एवं आदित्य का कहना है कि बच्चे हमारे समाज व हमारे भविष्य की नींव हैं तथा वो कैसे सोचें कि क्या न सोचें, के लिए विभिन्न विचारों व विभिन्न भौगोलिक परिस्तथियों में तरह-तरह के नवाचारों का सहारा लिया जा रहा है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत बच्चों को सुबह 11 से 2 बजे तक सीखने व सिखाने की प्रक्रिया में शामिल किया जाता है। इसमें कक्षा 1 से लेकर कक्षा 11 तक के बच्चे भाग ले चुके हैं। इस पहल की सराहना करते हुए सेमारी ब्लॉक प्राम्भिक शिक्षा अधिकारी सुरेंद्र कुमार आमेटा ने कहा कि एक शिक्षाविद होने के नाते वह साहित्य का महत्त्व समझते हैं एवं उनका मानना है कि किसी देश को बदलने में उसके साहित्य का सबसे महत्वपूर्ण योगदान होता है एवं आशा है कि यह कार्यक्रम बड़े स्तर पर लोगों की मनोस्थिति बदलने में सफल होगी।

सुरेश मीणा महासचिव

स्पेशलिस्ट : वशी

सिर्फ लिखो ही नहीं
दुनिया की सभी (A
केवल (5 मिनट में)
है। इन्शाअल्लाह वा
बेटा-बेटी सबको फो
आपको कसम है।
जिन्दगी में हंसना

भारत के
ग्रेट गुरु
971807

कार्यालय आबकारी आयुक्त

2 गुमानिया वाला पंचवटी, उद

क्रमांक : प 23(1)आब/लेखा/2017/1843

भांग समूहों हेतु नि

राजस्थान आबकारी अधिनियम 1950 तथा उसके
के अन्तर्गत वर्ष 2017-18 हेतु निम्नलिखित पड़त रहे
के थोक एवं खुदरा विक्रय के लिये अनुज्ञापत्र (Licen
जाती है:-

क्र. सं.	राजस्व जिला	भांग खुदरा समूह का नाम	समूह में दुकानों की संख्या
1	जयपुर	जयपुर	65
2	कोटा	कोटा	55
3	पाली	पाली	30.

मुख्य शर्तें निम्नानुसार है:-

1. निविदादाता द्वारा एक से अधिक समूह के लिए भी
समूह के लिए पृथक-पृथक निविदा प्रपत्र पर निवि
प्रस्तावित समूह का नाम स्पष्ट रुप से उल्लेखित कि
2. प्रस्तावित समूह के लिए निविदा प्रपत्र में वही राशि
1.4.2017 से 31.3.2018 तक की अवधि के लि
राशि आरक्षित राशि से कम नहीं होनी चाहिए।
3. भांग समूहों हेतु आरक्षित राशि के 10 प्रतिशत के
निविदा के साथ देय होगी। यह राशि निविदा के स
आबकारी आयुक्त राजस्थान उदयपुर के पक्ष में ट्रेज
अथवा आबकारी आयुक्त, राजस्थान, उदयपुर के प
प्रस्तुत की जा सकती है। निविदा के साथ वांछित

लिए परेशान ग्रामीण...

रवान
ला, कल
रावण

लिका कानोड़
तीन दिवसीय
ण मेले का
ला रोड स्थित
न्दिर के पास
जा रहा है।
भ रविवार को
 पालिका
स्थल पर प्लाट
र्य किया। आज
चढ़ेगा तथा
कानदारों व
ावाजाही शुरू
यक्ष अनिल
ताया कि तीन
 तहत सोमवार
अबरार इवेंट्स
स्टा कार्यक्रम
ो देर रात्रि
 साथ
तले का दहन

खेड़ा स्थित
न्दिर में भी चैत्र
र भेरुजी,
माओं को
ाया गया। मन्दिर
जावट की गई
ागरण होगा।
ंध्या का
मंगलवार प्रातः

लिमडी पाल स्कूल में भाषा प्रयोगशाला की स्थापना

सेमारी। लिम्बडी में बच्चे।

सेमारी। राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय लिमडी पाल में ड्रॉप आउट, अनियमित व कमजोर वर्ग के बच्चों को भाषा में पारंगत करने के लिए भाषा प्रयोगशाला की स्थापना की गई। प्रधानाध्यापक गणेश लाल सुथार कई वर्षों से बच्चों को भाषा सीखने में होने वाली समस्याओं को दूर करने का प्रयास कर रहे थे। उन्होंने पिरमल फैलो महेंद्र सिंह के सहयोग से प्रयोगशाला की स्थापना कर शिक्षण शुरू कराया। इससे विद्यार्थी अब धाराप्रवाह पढ़ने व लिखने लग गए है। महेंद्र का कहना है कि इस प्रयोगशाला के माध्यम से वह नान रीडर की अतिरिक्त कक्षाएं चलाते है एवं 3 महीनों में उन्हें धारा प्रवाह हिंदी पढ़ते हुए देख पा रहे है इस कार्यशाला को स्वतः सीखने के माडल के आधार पर बनाया गया है जिसमे बच्चा स्वयं की गतिविधियों से समूह में भाषा को पढ़ना लिखना व समझना सीख सके। प्रारम्भिक शिक्षा अधिकारी सुरेंद्र कुमार आमेटा का कहना है कि भाषा एक विज्ञान है जिसे हम विभिन्न प्रयोगों एवं गतिविधियों के माध्यम से ही सीख सकते है।

ह्युमन राइट फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष का स्वागत

मावली। कस्बे के आलोक